# Signature and Name of Invigilator 1. (Signature) \_\_\_\_\_\_ (In figures as per admission card) (Name) \_\_\_\_\_\_ 2. (Signature) \_\_\_\_\_ (Signature) \_\_\_\_\_ (In words) Test Booklet No.

D-0209

Time :  $2^{1}/_{2}$  hours] PAPER-III [Maximum Marks : 200

POLITICAL SCIENCE

Number of Pages in this Booklet: 32

## **Instructions for the Candidates**

- 1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

### No Additional Sheets are to be used.

- 3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below:
  - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
- 4. Read instructions given inside carefully.
- 5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- 6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- 7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- 8. Use only Blue/Black Ball point pen.
- 9. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

Number of Questions in this Booklet: 26

## परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- 1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

## इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।

- 3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्निलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है:
  - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
  - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
- 4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपर्वक पढें।
- 5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- 6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- 8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।
- 9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।

D-0209 P.T.O.

# POLITICAL SCIENCE राजनीति विज्ञान

# PAPER-III प्रश्नपत्र-III

**Note:** This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट: यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इनमें से समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

# SECTION – I

खंड – ।

This section contains **five** (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty** (30) words and carries **five** (5) marks.

 $(5 \times 5 = 25 \text{ marks})$ 

इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है ।

 $(5 \times 5 = 25 )$  अंक)

Gandhi distinguishes between absolute truth which is universal and infinite and relative truth. Absolute truth exists beyond space and time and as we have seen, is identified with God. But with given space and time, absolute truth is only an ideal like the straight line of geometry. Thus Gandhi admitted, "It is impossible for us to realize perfect truth so long as we are imprisoned in this mortal frame. We can only visualize it in our imagination. We cannot, through the instrumentality of this ephemeral body, see face to face truth which is external." Moreover, "Seeing that the human mind works through innumerable media and that the evolution of the human mind is not same for all, it follows that what may be truth for one may be untruth for another ...." Thus what is known and available to us the mortal beings, is only relative truth and therefore what is known to us cannot be really claimed as absolute. The truth that is known to us is relative and by this what Gandhi appears to mean is that it is subjective and that is 'Truth in fragments'. What he emphasises is that this relativity or subjectivity of truth should sober down the individuals and that they should make no attempt to impose their conception of truth upon other individuals or the society as a whole, since the truth known to them is only a partial truth. Moreover, relativity of truth also requires mutual toleration and compromise. They, in fact, are the essence of truth. It is only with the help of these virtues and with the help of a certain amount of moral discipline that one can arrive at objective truth. Gandhi accepts senseperception and reason as important sources of knowledge. They are not, however, the only means of acquiring knowledge. Intuition is for Gandhi one of the most important and even superior means of acquiring knowledge. The acknowledged superiority of this method to sense-perception and logical reasoning introduces super-natural elements in Gandhi. There is a very thin line between superstition and intuition and

one is treading a very dangerous path when he enters the realm of intuition. Even then this thin line is well maintained by Gandhi. He puts various conditions and limitations on the use of intuition only to make it practical and danger proof. Thus he believed, "Just as for conducting scientific experiments there is an indispensable scientific course of instruction, in the same way strict preliminary discipline is necessary to qualify a person to make experiments in the spiritual realm. Everyone should, therefore, realize his limitations before he speaks of his inner voice. Therefore, we have the belief based upon experience, that those who would make individual search after truth as God, must go through several vows, as for instance, the vow of truth, the vow of brahmacharya (purity) the vow of non-violence, of poverty and non-possession. Unless you impose on yourselves the five vows, you may not embark on the experiment at all. There are several other conditions prescribed....." It is again, because of the dangerous character of the relative concept of truth that Gandhi emphasizes that there is one and only one method of insisting on truth and that this is the method of ahimsa or non-violence.

गांधी निरपेक्ष सत्य, जो सार्वभौमिक और अनन्त है, और सापेक्ष सत्य के बीच अन्तर करते हैं । निरपेक्ष सत्य अंतरिक्ष और समय के परे विद्यमान होता है और जैसा कि हमने देखा. परमात्मा के साथ एकसम समझा जाता है । परन्त प्रदत्त अंतरिक्ष और समय के साथ, निरपेक्ष सत्य, रेखा गणित की सीधी रेखा के समान, सिर्फ आदर्श होता है । अत: गांधी ने स्वीकार किया, ''हमारे लिये निरपेक्ष सत्य को स्पष्ट अनुभव करना असम्भव है जब तक कि हम नश्वर शरीर में कैद हैं । हम केवल अपनी कल्पना में ही स्पष्ट रूप से देख सकते हैं । हम इस क्षणभंगर शरीर के माध्यम से सत्य, जो बाह्य है, को आमने-सामने नहीं देख सकते हैं।" इसके अतिरिक्त, "यह देखते हुए कि मानव बद्धि असंख्य माध्यमों के ज़िरए कार्य करती है और कि मानव बद्धि का विकास सब के लिए एक समान नहीं होता है, तो इसका अर्थ हुआ कि जो एक के लिए सत्य हो सकता है वो दूसरे के लिए असत्य हो सकता है ..." । अत:, हम नश्वर जीवों को जो ज्ञात और उपलब्ध है, वो केवल सापेक्ष सत्य है और इसलिए हमें जो कुछ ज्ञात है और वास्तव में उसके निरपेक्ष होने का दावा नहीं किया जा सकता है । सत्य जो हमें ज्ञात है वो सापेक्ष है और इस बात से गांधी का अभिप्राय शायद यह है कि वो व्यक्तिपरक है यानी कि खंडों में सत्य । वो इस बात पर बल देते हैं कि सत्य की इस सापेक्षता और व्यक्तिपरकता को व्यक्तियों को विनयशील बना देना चाहिए और कि उन्हें सत्य की अपनी धारणा को अन्य व्यक्तियों या कुल मिला कर समाज पर नहीं थोपनी चाहिए क्योंकि उन्हें ज्ञात सत्य केवल आंशिक सत्य ही है । इसके अतिरिक्त, सत्य की सापेक्षता को पारस्परिक सहनशीलता और समझौते की भी जरूरत होती है। वास्तव में वह सत्य का सार है। केवल इन सदगुणों और नैतिक अनुशासन की कुछ मात्रा की सहायता से ही वस्तुपरक सत्य पर पहुँचा जा सकता है । गांधी संवेदन-अनुभृति और तर्क को ज्ञान का

महत्त्वपूर्ण स्रोत समझते हैं । किन्तु, ज्ञान प्राप्त करने के केवल वो ही माध्यम नहीं हैं । गांधी के लिए अंतर्दृष्टि ज्ञान अर्जित करने का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण और बल्कि श्रेष्ठ माध्यम है । संवेदन अनुभृति और तार्किक विवेचना की तुलना में इस विधि की मान्य श्रेष्ठता गांधी में आधिदैविक तत्त्व बताती है । अंधिविश्वास और अंतर्दृष्टि के बीच बहुत बारीक सूक्ष्म अन्तर रेखा है और जब व्यक्ति अंतर्दृष्टि के क्षेत्र में प्रवेश करता है तो वह बहुत खतरनाक रास्ते पर पैर रख देता है । तब भी, गांधी द्वारा यह सूक्ष्म अन्तर रेखा बरकरार रखी गई है । उन्होंने अतर्दृष्टि को सिर्फ व्यवहारिक और खतरा-रिहत बनाने के लिए विभिन्न शर्ते और सीमाएँ निश्चित की हैं । अत:, उनका मानना है, "जिस तरह से वैज्ञानिक प्रयोगों को करने के लिए अनुदेश का अपरिहार्य वैज्ञानिक मार्ग होता है, उसी तरह से, आध्यात्मिक क्षेत्र में प्रयोग करने के लिए व्यक्ति को योग्य उहराने के वास्ते कड़ा प्रारंभिक अनुशासन आवश्यक होता है । इसिलए, प्रत्येक व्यक्ति को, अपनी अंदरूनी बात कहने से पहले अपनी सीमाओं को समझ लेना चाहिए । अत:, अनुभव के आधार पर हमारी धारणा है कि जो व्यक्ति परमात्मा के रूप में सत्य की खोज करेंगे, उन्हें कई संकल्प लेने चाहिए, जैसे उदाहरण के लिए, सत्य का संकल्प, ब्रह्मचर्य का संकल्प, और अहिंसा, निर्धनता और अस्वामित्व का संकल्प । जब तक आप अपने को यह पाँच व्रत लेने के लिए बाध्य नहीं करते हैं, आप शायद प्रयोग की शुरुआत नहीं कर पायेंगे । बहुत—सी अन्य शर्ते भी बताई गई हैं .... । फिर से, सत्य की सापेक्ष धारणा की खतरनाक विशेषता के कारण ही, गांधी ने इस पर बल दिया कि सत्य पर जोर देने का एक और सिर्फ एक तरीका है और यह अहिंसा का तरीका है ।

निरपेक्ष सत्य और सापेक्ष सत्य के बीच क्या अन्तर है ?					

What is the difference between Absolute Truth and Relative Truth?

1.

2.	How are Truth and Non-violence related ? सत्य और अहिंसा किस प्रकार सम्बन्धित हैं ?
3.	What are the sources of knowledge ? ज्ञान के स्रोत क्या हैं ?

4.	What are the limitations of Relative Truth ? सापेक्ष सत्य की सीमाएँ क्या हैं ?
5.	What is the relationship between Truth and God ? सत्य और परमात्मा के बीच क्या सम्बन्ध है ?

# SECTION – II

## खंड – II

This section contain	is <b>fifteen</b> (	(15) questions,	each to be	answered	in about <b>1</b>	thirty (3	30) v	words.
Each question carrie	s five (5)	marks.						

 $(15 \times 5 = 75 \text{ Marks})$ 

इस खंड में **पाँच-पाँच (5-5)** अंकों के **पंद्रह (15)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । (15 × 5 = 75 अंक)

6. "Virtue is knowledge" – (Plato). Explain.

"सद्गुण ही ज्ञान है " – (प्लेटो) व्याख्या कीजिए ।

7.	Explain Rousseau's 'Paradox of Freedom'.
	रूसो का 'स्वतन्त्रता का विरोधाभास' स्पष्ट कीजिए ।
8.	Explain Aurobindo's spiritual nationalism.
	अरविन्द की आध्यात्मिक राष्ट्रीयता की व्याख्या कीजिए ।
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·

9.	What do you understand by Hegemonism in international politics ? अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में आधिपत्यवाद से आप क्या समझते हैं ?
10.	The primacy of the UN Security Council lies in 'Veto Power' of its permanent members. Explain.  यू.एन.सुरक्षा परिषद् का प्राधान्य उसके स्थायी सदस्यों के निषेधाधिकार में स्थित है । व्याख्या कीजिए ।

11.	Explain the concept of 'Glasnost'.
	'ग्लासनोस्ट' की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।
12.	Mention the basic principles of New Public Administration.
12.	
	नव-लोक प्रशासन के मूलभूत सिद्धान्त बताइए ।

13.	Explain the concept of 'Span of Control' as an organization principle.
	संगठन सिद्धान्त के रूप में स्पैन ऑफ कंट्रोल (नियन्त्रण का क्षेत्र) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।
14.	What is Ombudsman ?
,	
	औमबड्स्मैन क्या है ?

15.	Distinguish between trust vote and vote of no-confidence.
	विश्वास मत और अविश्वास मत के बीच अन्तर कीजिए ।
16.	What is mid-term election?
10.	
	मध्यावर्ती चुनाव क्या है ?

17.	What do you understand by "bargaining federalism"?
	"सौदाकारी संघवाद" से आप क्या समझते हैं ?
18.	How does direct democracy operate in Switzerland?
10.	
	स्विट्ज़रलैंड में प्रत्यक्ष प्रजातन्त्र किस प्रकार कार्य करता है ?

	19.	What is the meaning of Rule of Law?
		विधि के कानून का क्या अर्थ है ?
	20.	What are the components of political culture ?
	20.	
		राजनैतिक संस्कृति के घटक/अवयव क्या-क्या हैं ?
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		

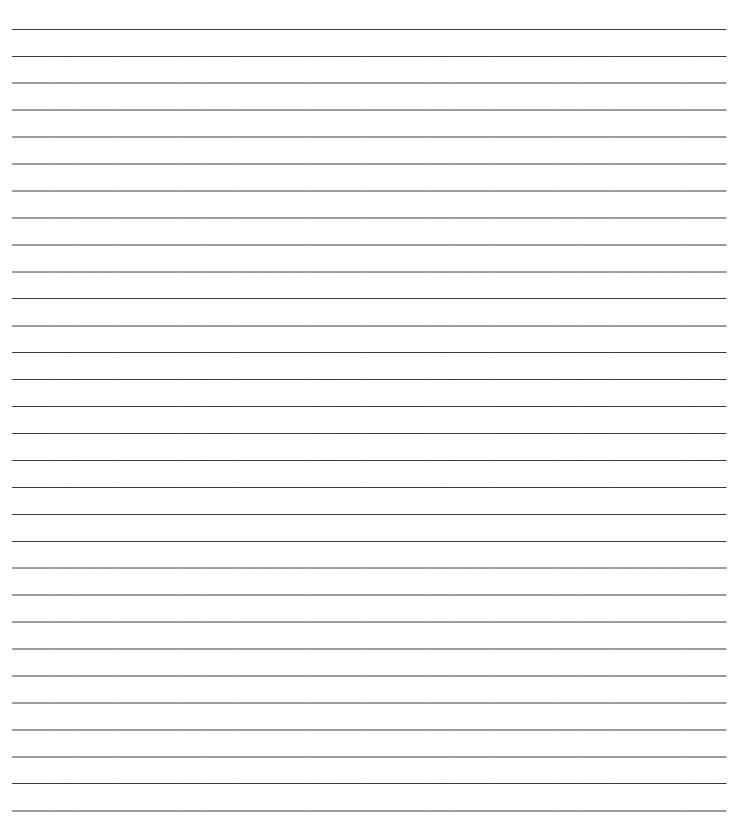
# SECTION – III खंड – III

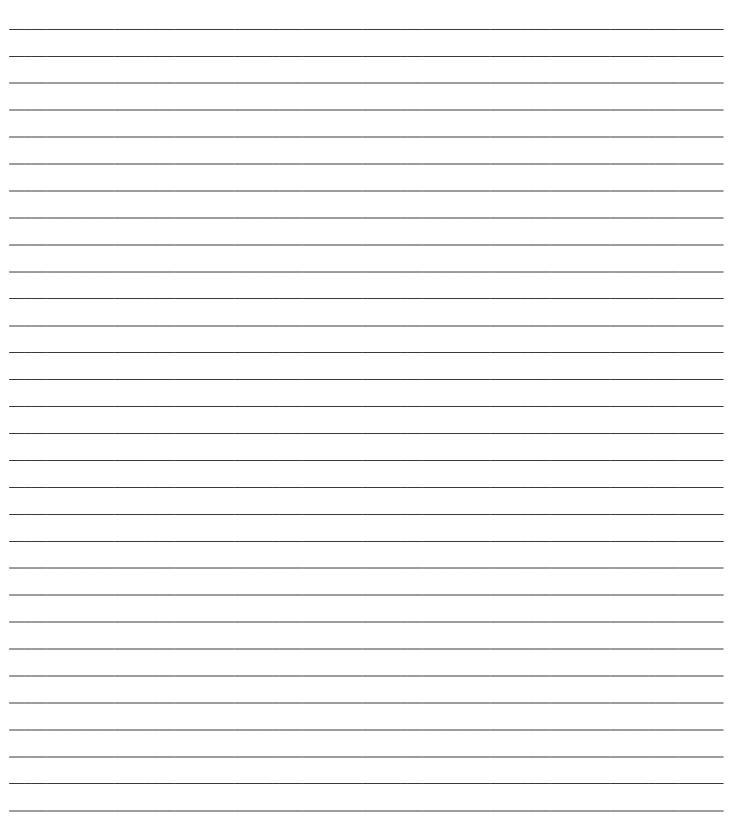
This section contains **five** (5) questions of **twelve** (12) marks each. Each question is to be answered in about 200 words. ( $5 \times 12 = 60 \text{ Marks}$ )

इस खंड में **बारह-बारह (12-12)** अंकों के **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **दो सौ (200)** शब्दों में अपेक्षित है । (5 × 12 = 60 अंक)

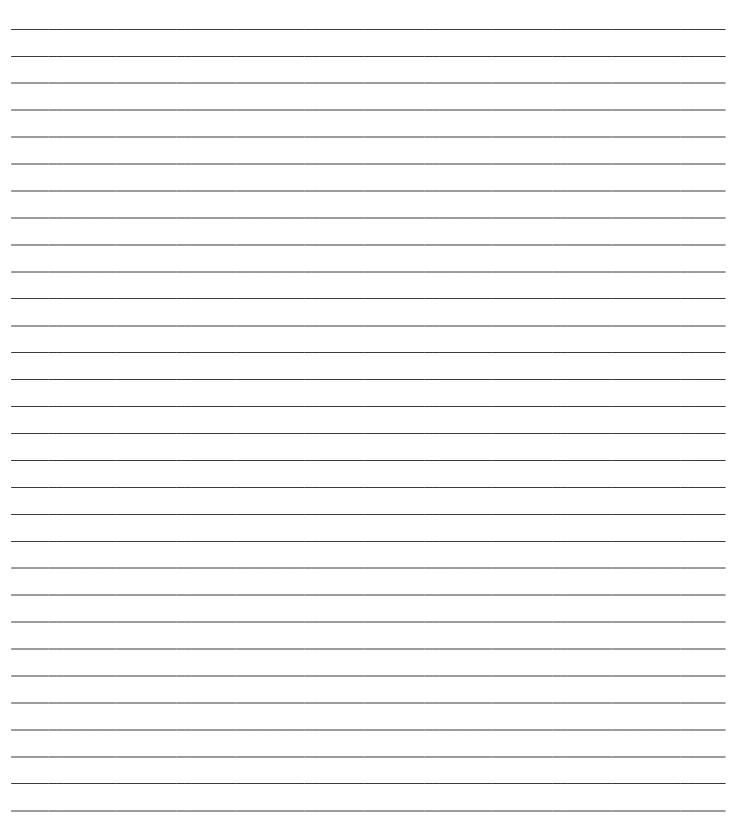
- 21. Examine the relevance of Marxism in the era of globalization. वैश्वीकरण के युग में मार्क्सवाद की प्रासंगिकता की परीक्षा कीजिए ।
- 22. Compare the political culture of developed and developing countries. विकसित और विकासशील देशों की राजनैतिक संस्कृति की तुलना कीजिए ।
- 23. Discuss the increasing importance of State Politics in India. भारत में राज्यों की राजनीति के बढ़ते हुए महत्त्व की विवेचना कीजिए ।
- 24. The functioning of Panchayati Raj System in India has led to empowerment of elected local functionaries than decentralisation. Comment.

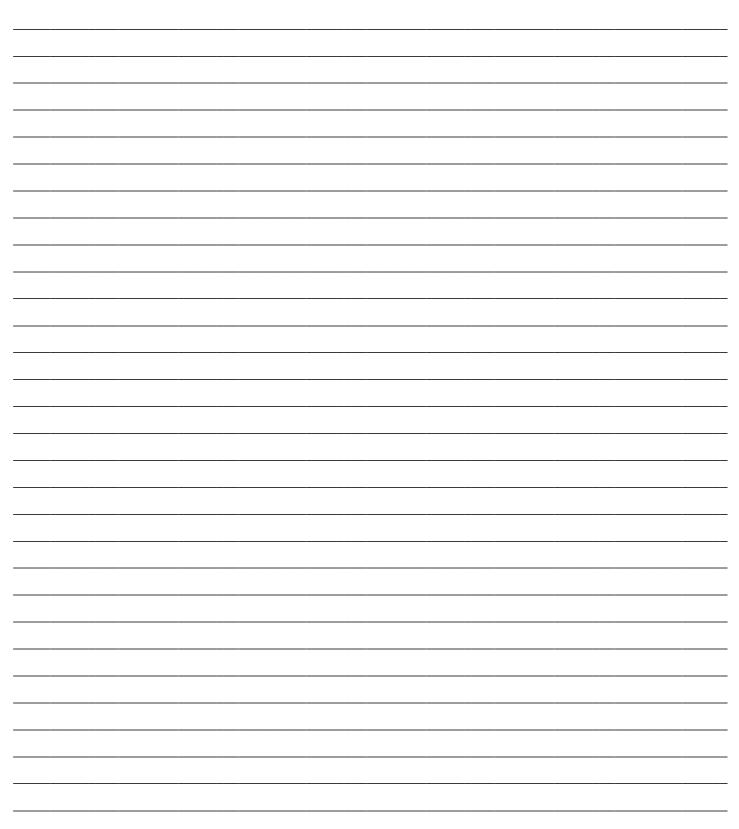
  भारत में पंचायत राज व्यवस्था की कार्यकारिता ने विकेन्द्रीकरण की बजाय निर्वाचित स्थानीय प्रतिनिधियों का सशक्तिकरण किया है । टिप्पणी कीजिए ।
- 25. What are the measures of conflict resolution adopted in contemporary world politics? समकालीन विश्व राजनीति में संघर्ष के समाधान के क्या उपाय अपनाए गए हैं ?

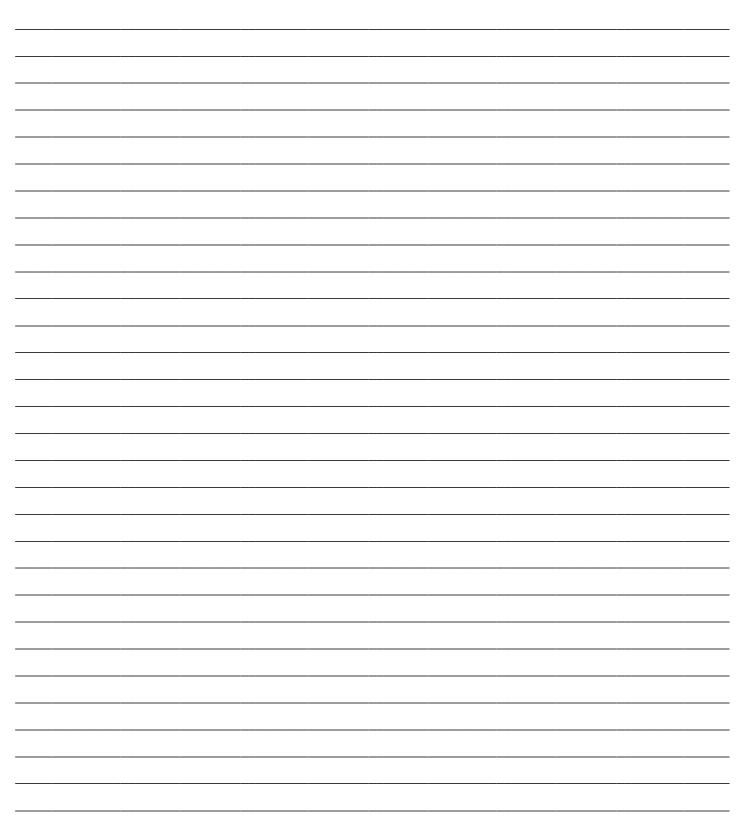




 <del></del>	



# SECTION – IV खंड – IV

This section consists of **one** essay type question of **forty** (40) marks to be answered in about **one thousand** (1000) words on any **one** of the following topics.  $(1 \times 40 = 40 \text{ Marks})$ 

इस खंड में एक **चालीस (40)** अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्निलिखित विषयों में से केवल **एक** पर, लगभग **एक हजार (1000)** शब्दों में अपेक्षित है ।  $(1 \times 40 = 40 \text{ sim})$ 

Discuss the role of ideology in political theory.
 राजनैतिक सिद्धान्त में विचारधारा की भृमिका की विवेचना कीजिए ।

## OR/अथवा

Discuss Karl Deutsch's Theory of Communication. How suitable is it for the analysis of a political system?

कार्ल डॉयश के सम्प्रेषण सिद्धान्त की विवेचना कीजिए । राजनैतिक व्यवस्था के विश्लेषण के लिए यह कितना उपर्युक्त है ?

### OR/अथवा

Discuss the evolution and experience of Coalition Politics in India भारत में गठबंधन की राजनीति के विकास और अनुभव की विवेचना कीजिए।

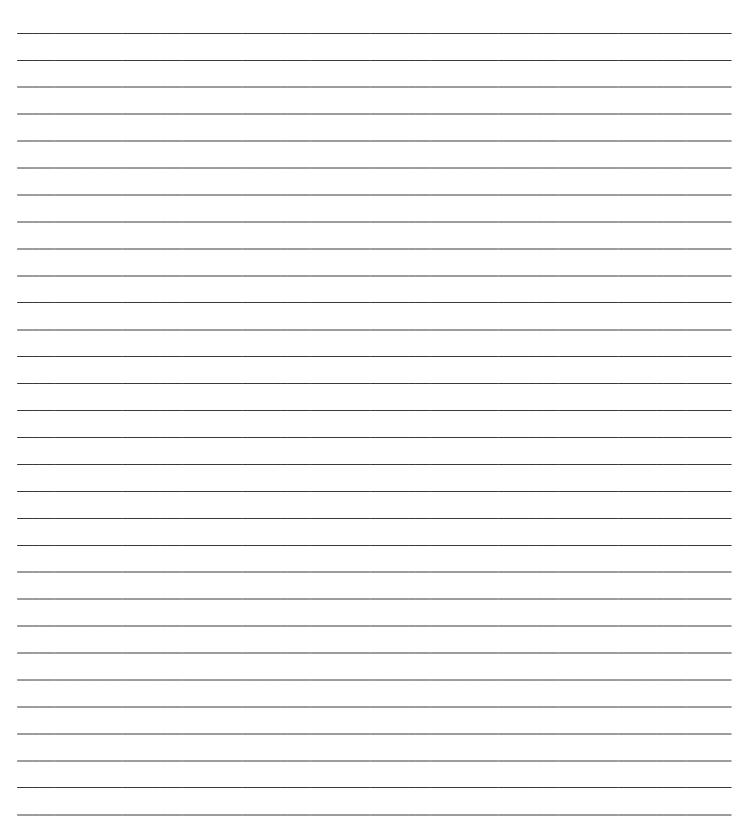
## OR/अथवा

Discuss the impact of liberalization on Public Administration in India in recent times. हाल के वर्षों में, भारत में लोक प्रशासन पर उदारीकरण के प्रभाव की विवेचना कीजिए ।

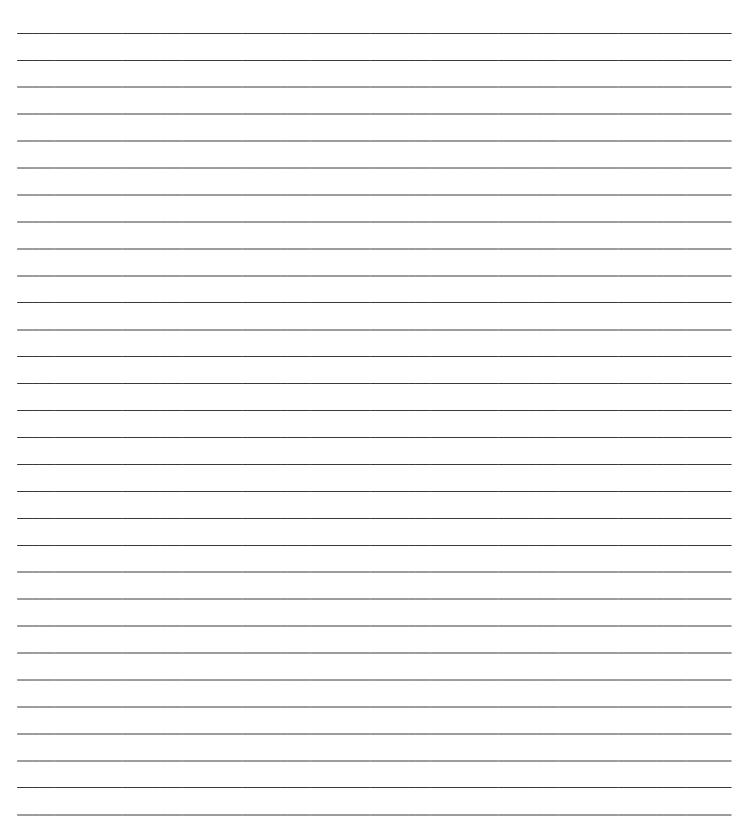
## OR/अथवा

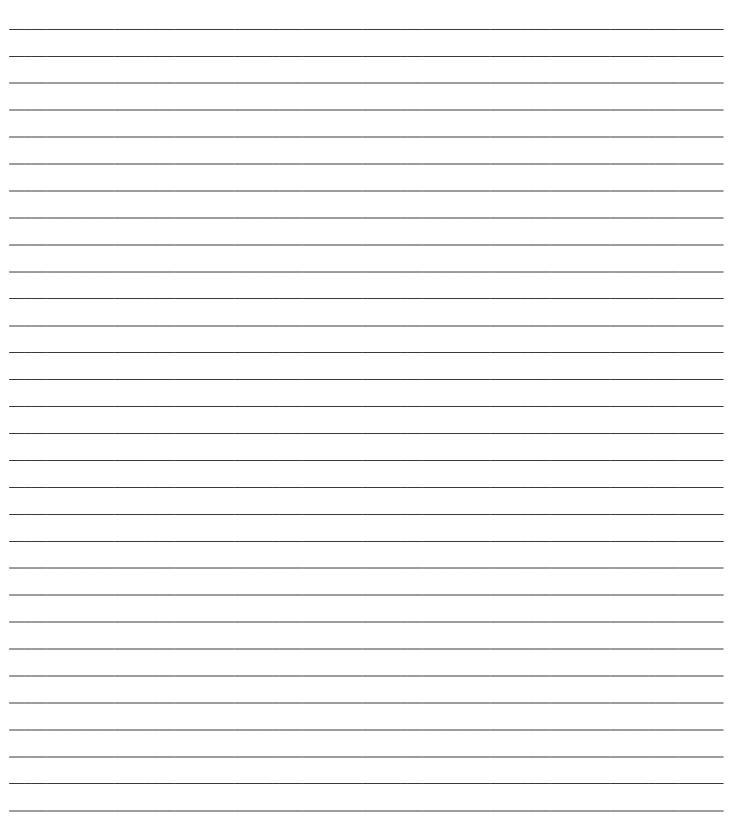
Is India seeking legitimacy to its nuclear weapon state status through India-US nuclear deal? Discuss.

क्या भारत, भारत-अमेरिका नाभिकीय सौदे के ज़रिये अपने नाभिकीय शस्त्र राज्य दर्जे के लिए वैधता पाने का प्रयास कर रहा है ? विवेचना कीजिए ।



 <del></del>	





FOR OFFICE USE ONLY		
Marks Obtained		
Question	Marks	
Number	Obtained	
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		

Total Marks Obtained (in wo	ords)
(in fig	gures)
`	,
Signature & Name of the Co	oordinator
(Evaluation)	Date